पाठ 5. रुपयों का पेड़

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को समाज-सेवा के लिए प्रेरित करना है। हमें गरीब और असहाय लोगों की हर संभव मदद करनी चाहिए।

पाठ का सारांश

यह पाठ नाटक विधा में रचित है। मोहन अपने दोस्तों से बाढ़ पीड़ितों के लिए चंदा माँगने जाता है। उसके दोस्त उस वक्त लूडो खेल रहे थे। उन्होंने मोहन के सामने बहाने बनाने शुरू कर दिए और चंदा देने से मना कर दिया। मोहन एक पल के लिए तो उदास हुआ परंतु तभी उसके दिमाग में एक योजना आई। वह बच्चों के साथ खेलने लगता है। खेलते-खेलते वह बच्चों को बताता है कि उसे एक मंत्र आता है जिससे रुपयों का पेड़ लगाया जा सकता है। बच्चे लूडो छोड़कर मोहन से रुपयों के पेड़ के बारे में पूछते हैं। मोहन उन्हें बताता है कि यह पेड़ मंगलवार के दिन ही गमले में लगाया जाता है एक रुपए का सिक्का बोने से एक-एक रुपए के फूल खिलेंगे और पाँच रुपए का सिक्का बोने से पाँच-पाँच रुपए के फूल खिलेंगे। बच्चे खुश हो गए। सभी ने गमलों में सिक्के बो दिए। बच्चों के जाने के बाद मोहन ने गमलों से सिक्के निकाल लिए और चंदे के डिब्बे में डाल दिए। बच्चे अपने गमले देखने आते हैं। मोहन उन्हें एक-एक स्टीकर देता है। बच्चे पूछते हैं कि उन्होंने तो चंदा दिया ही नहीं फिर यह स्टीकर क्यों? मोहन उन्हें पूरी बात बताता है और कहता है कि उन्होंने चंदा दे दिया है। सभी बच्चे आश्चर्य से मोहन की ओर देखते हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे प्रश्नों पर चर्चा करें। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। उन्हें पाठ का मूल भाव समझाएँ। पाठ से मिलने वाली सीख से बच्चों को अवगत कराएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- क्या वे चंदा देते हैं?
- उन्हें चंदे के रूप में एकत्रित की जाने वाली धनराशि के उपयोग का महत्त्व समझाएँ।
- बच्चों से पूछें, क्या उन्होंने किसी गरीब या जरूरतमंद की सहायता की है? यदि 'हाँ' तो अपना अनुभव कक्षा में साझा करें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।